चंडीगढ़ में ततैया की नई प्रजाति की खोज

चर्चा में क्यों?

चंडीगढ़ में एक **नए** परजीवी **ततैया की प्रजाति** **(Losgna occidentalis)** की खोज की गई है, जो भारत में **लॉसग्ना वंश की लगभग 60 के वर्षों बाद पुनः खोज** को चिह्नित करती है।

मुख्य बिंदु

- **खोज के बारे में:**

  - यह ततैया **परजीवी इक्नीमोनिडी (Ichneumonidae) कुल** से संबंधित है, जो अन्य **संधिपाद प्राणियों (आर्थोपोडा)** के ऊपर या उनके भीतर अंडे देने के लिये जाना जाता है।
  - **हेनरिक** के वर्ष 1965 के **मोनोग्राफ** के बाद से भारत में **लॉसग्ना** वंश को दर्ज नहीं किया गया था।
    - वर्ष 1965 के बाद किसी भी भारतीय संस्था के पास **लॉसग्ना** से संबंधित **अभिलेख**, **नमूने** या **साहित्य** उपलब्ध नहीं था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह पूर्वोत्तर भारत में अपने ज्ञात क्षेत्र से **लुप्त** हो चुका था।
  - इसे वर्ष 2023-24 की सर्दियों के दौरान **चंडीगढ़** में एक **खिड़की** पर खोजा गया। पश्चिमी भारत में इसके स्थान को दर्शाने के लिये इस प्रजाति का नाम **लॉसग्ना ऑक्सीडेंटलिस** रखा गया।
  - इससे पूर्व, यह प्रजाति केवल **पूर्वी भारत** एवं समीपवर्ती **दक्षिण-पूर्व एशिया** के उष्णकटिबंधीय वन क्षेत्रों में ही देखी गई थी।

- **ऐतिहासिक नमूने:**
  - इस खोज से पहले लॉसग्ना के एकमात्र ज्ञात नमूने निम्नलिखित स्थानों पर संरक्षित किये गये थे:
    - प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय, लंदन
    - द होप कलेक्शन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी
    - जूलॉजिकल स्टेट कलेक्शन म्यूनिख (ZSM), म्यूनिख
- **वैज्ञानिक एवं संरक्षण महत्त्व:**

- **वर्गीकरण पुनरुद्धार:** विस्मृत **लॉसग्ना** वंश के अध्ययन को पुनर्जीवित करता है तथा जैवविविधता संरक्षण में वर्गीकरण की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देता है।
- **हाइमनोप्टेरा का महत्त्व:** इस समूह के ततैया परागणकर्त्ता और जैविक नियंत्रण एजेंट के रूप में कार्य करते हैं तथा पारिस्थितिक संतुलन में योगदान देते हैं।
- **शहरी जैवविविधता पर प्रकाश:** यह खोज शहरी आवासों की समृद्ध जैवविविधता को उजागर करती है, यहाँ तक कि ऐसे आवासों की भी जिन्हें क्षीण माना जाता है, जैसे शुष्क झाड़ीदार वन।

हाइमनोप्टेरा

- हाइमेनोप्टेरा, कीट जिन्हें सामान्यतः **चींटियाँ, मधुमक्खियाँ, ततैया और सॉफ्लाई के नाम से जाना जाता है**, अधिकांश स्थलीय आवासों में कशेरुकी जीवों की विविधता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।
- यह कीड़ों के चार **विशाल-विविध** वर्गों में से एक है, जिनमें **कोलेओप्टेरा** (भृंग), **डिप्टेरा** (मक्खियाँ) और **लेपिडोप्टेरा** (पतंगे एवं तितलियाँ) भी शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-wasp-species-found-in-chandigarh